| | | |
|---|---|---|
| कार्यक्रम का नाम | : | **स्वच्छता एवं स्वास्थ्य** |
| दिनांक | : | **20.08.2018** |
| टॉपिक | : | **महिलाओं में होने वाली सामान्य बिमारियां** |
| विशेषज्ञ | : | **डॉ. नीरू पारीक, राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय, गोविन्दगढ़** |

डॉ. नीरू पारीक ने महिलाओं में होने वाली सामान्य बिमारियों की जानकारी देते हुए बताया कि महिलाएँ सेहत के प्रति पुरूषो की तुलना में कम सजक रहती है। कई महिलाऐं घर–परिवार का काम अच्छे से सम्भालने के बावजूद खूद पर अच्छे से ध्यान नही दे पाती है, महिलाओं की इन्ही आदतों की वजह से वे कई गम्भीर बिमारियों से ग्रसित हो जाती है।

उन्होने बताया कि महिलाओं में सामान्यतः निम्न प्रकार की बिमारियां पाई जाती है–

- **ब्रेस्ट केंसर (स्तन केंसर) :–**
  स्तन कोशिकाओं की अनियन्त्रित बढ़ोत्तरी होने पर महिलाऐं स्तन केंसर से ग्रसित हो जाती है। आमतौर पर लोब्यूल्स, दुग्ध नलिकाओं में प्रवेश करके स्वस्थ कोशिकाओं पर आक्रमण करता है। धीरे–धीरे यह शरीर के अन्य भागो में फैलने लगता है, इस बीमारी से ग्रसित होने पर स्तन के आस–पास या स्तन पर गाँठ बनने लगती है, इसके अलावा स्तन के आस–पास ज्यादा दर्द, स्तन की त्वचा लाल हो जाना तथा निप्पल पर दाने जैसे लक्षण नजर आने लगते है।
- **स्त्री रोग सम्बन्धी स्वास्थ्य :–**
  महिलाऐं मासिक धर्म, प्रसव, गर्भावस्था व रजोनिवृति जैसे कई चरणो का अनुभव करती है रक्त–स्त्राव व डिस्चार्ज भी मासिक धर्म चक्र का हिस्सा है जो स्थिति को बदत्तर बना सकता है, कई बार योनि से जुड़ी समस्या भी प्रजनन प्रणाली केंसर को जन्म देती है। अनदेखा करने पर बांझपन और किडनी खराब होने जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है।
- **ओवेरियन और सर्विकल कैंसर :–**
  ओवेरियन और सर्विकल कैंसर महिलाओं में होने वाली एक आम समस्या है, सर्विकल कैंसर यूट्रस के निचले हिस्से से शुरू होता है तथा ओवेरियन कैंसर फैलोपियन ट्यूब से शुरू होता है। सर्विकल कैंसर में इंटरकोर्स के दौरान डिस्चार्ज और दर्द होता है जबकि ओवेरियन कैंसर में पेट–दर्द एवं दबाव, सूजन, बार–बार पेशाब आना, मासिक धर्म चक्र में अनियमितता जैसे लक्षण दिखाई देते है।
- **श्वेत प्रदर रोग (ल्यूकोरिया) :–**
  यह महिलाओ में होने वाली आम बीमारी है इसमें योनि से सफेद रंग का गाढ़ा व दूर्गंधयुक्त तरल निकलता है, इन्फेशन बढने पर स्त्राव पील, हल्के नीले या हल्के लाल रंग का और बदबूदार होता है। यह किसी अन्य बीमारी या गर्भाशय से सम्बन्धित रोग का लक्षण भी हो सकता है।